तापमान

अधिकतम 11.6 डिग्री
न्यूनतम 35.0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि

रोहतक, सोमवार, 24 मार्च 2025

11 शहादत दिवस पर जिलेभर में श्रद्धा से याद किए गए ...

12 खेल से ही दुनिया में हरियाणा की पहचान : बेदी

खबर संक्षेप

हादसे में आंगनबाड़ी वर्कर व भतीजा घायल

महम। मोखरा गांव की एक महिला ने बहु अकबरपुर थाने में एक शिकायत दी है। जिसमें उसने बताया है कि एक कार ने उनके साथ एक्सीडेंट किया है, जिस वजह से उसका भतीजा और वह घायल हो गए। पुलिस को दी शिकायत में मोखरा पाना रोज निवासी कमलेश पत्नी राजपाल सिंह ने बताया कि भतीजे आशीष पुत्र रमेश के साथ बाइक से किसी कार्य के लिए रोहतक जा रही थी। ड्रेन नंबर 8 के पास पहुंचे तो पीछे से होंडा अमेज कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में वह और उसका भतीजा घायल हो गए। पुलिस ने कार अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों ने 4 युवकों को चौपाल में बनाया बंधक

रोहतक। निकटवर्ती गांव खेड़ी साध में ग्रामीणों ने सुबह चोरी की फिराक में खड़े एक युवक को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने आरोपी से पूछताछ की तो उसने अपने गिरोह के बारे में बताया। ग्रामीणों ने उसके 3 अन्य साथियों को भी गांव की चौपाल में बंधक बना लिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की।

अजायब बिजली लाइन से एसीएसआर कंडक्टर चोरी

महम। अजायब गांव में बिजली की लाइन से एक कंडक्टर चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। महम थाना पुलिस को दी शिकायत में बिजली विभाग के उपमंडल अधिकारी ने बताया कि कल रात के समय अजायब गांव में निंदाना रोड पर 11 केवी अजायब बिजली लाइन का एसीएसआर 30एमएम का कंडक्टर जो 11 स्पेन का था। जिसकी लंबाई 2000 मीटर थी। यह पुरानी बिजली लाइन पब्लिक हैल्थ के कनेक्शन पर गई हुई थी। कल रात को चोरों ने इस बिजली लाइन का तार चोरी कर लिया। जिससे विभाग को करीब 87 हजार 160 रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खरकड़ा में नहर किनारे से मोटर साइकिल चोरी

महम। खरकड़ा गांव में नहर किनारे खड़ा एक मोटर साइकिल चोरी हो गया। इस संबंध में गांव के एक युवक ने महम थाने में एक ऑन लाइन शिकायत दी है। जिसमें कहा है कि उसका नाम शौकीन है। गत दिवस 2 बजकर 14 मिनट पर वह खरकड़ा गांव में नहर पर था। यहां उसने अपना हीरो सप्लेंडर मोटर साइकिल खड़ा किया था। किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोटर साइकिल चोरी कर लिया। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मोटर साइकिल की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है जल्द बाइक को ढूंढ लिया जाएगा।

▶▶ क्यों मारी गोली, नहीं हुआ खुलासा ▶▶ मानसिक रूप से परेशान था

पीजीआई के सिक्योरिटी गार्ड ने खुद को मारी गोली, हालत गंभीर

- पुलिस ने परिजनों के बयान लिए और मामले की तह तक जाने का प्रयास कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पीजीआई के सिक्योरिटी गार्ड ने खुद की कनपटी में गोली मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया। जहां देर रात तक उसका उपचार चल रहा था। पुलिस पूरे मामले में जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि युवक कई दिनों से मानसिक तौर पर परेशान चल रहा था, हालांकि परिजन यह नहीं बता पाए कि कारण क्या है। हिसार बाईपास स्थित आईडीसी चौक पर रविवार की सुबह एक युवक पड़ा मिला। उसकी कनपटी में गोली लगी हुई थी। घायल की पहचान हेमंत के रूप में हुई। वह पीजीआई में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। गोली कनपटी से आरपार हो गई थी। पीजीआई में गार्ड की नौकरी करने वाले हेमंत ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने का प्रयास क्यों किया। पुलिस इसका पता लगाने का प्रयास कर रही है। वह अपनी नानी के पास श्याम कॉलोनी में रहता है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है।

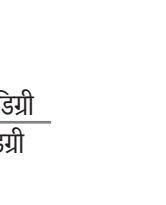

घायल हेमंत का फाइल फोटो।

रोहतक। मामले में जांच अधिकारी एसआई राजकुमार। फोटो : हरिभूमि

की जा रही जांच

सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली है। वह हिसार बाईपास चौक पर है। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को पीजीआई भर्ती कराया। मामले की जांच की जा रही है। परिजन कुछ बता नहीं पा रहे हैं। युवक के होश में आने के बाद ही कुछ पता लग सकता है। -**राजकुमार**, सिटी थाना एसएचओ

ड्यूटी पर गया, लेकिन वापस नहीं आया

जांच पड़ताल के दौरान पता चला है कि हेमंत शनिवार शाम को पीजीआई में ड्यूटी के लिए गया था। वह सुबह वापस घर नहीं पहुंचा। सुबह परिजनों को जानकारी मिली कि वह हिसार बाईपास चौक पर गंभीर अवस्था में है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि उसके पास हथियार कहां से आया।

कई वर्ष से यहां हुए भ्रष्टाचार के चलते उठाया कदम

जिला बार एसोसिएशन के प्रधान दीपक हुड्डा ने परिसर को गंगाजल से शुद्ध किया

- पिछले एक वर्ष का हिसाब-किताब चेक करने पर 50 लाख का घोटाला मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। बार परिसर को गंगाजल से सेनेटाइज करते हुए प्रधान दीपक हुड्डा व महासचिव।

जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने रविवार को बार परिसर को गंगाजल से शुद्ध किया। हरिद्वार से लाए गए एक हजार लीटर गंगाजल को बार परिसर स्थित लाइब्रेरी, एसोसिएशन के प्रधान कार्यालय व अन्य जगह छिड़का गया। बार परिसर को सेनेटाइज करने का उद्देश्य पिछले कई वर्ष से यहां हुए भ्रष्टाचार के चलते अशुद्ध हुए परिसर को साफ करना था। बार एसोसिएशन के प्रधान दीपक हुड्डा व महासचिव राजकर्ण पंघाल के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। वे एक दिन पहले ही लाइब्रेरी इंचार्ज अनिल कुमार को साथ लेकर हरिद्वार गए थे और वहां से गंगाजल लेकर आए थे। आने वाले दिनों में वकीलों के हित से जुड़े हुए कई प्रकार के कार्य किए जाएंगे। बार एसोसिएशन के प्रधान दीपक हुड्डा ने कहा कि पिछले 14 वर्ष से एसोसिएशन में भ्रष्टाचार चरम पर है। एक ही गुट ने एसोसिएशन पर कब्जा किया हुआ था और इस दौरान भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं पार कर रखी थी। अब उन्हें प्रधान बनने का मौका मिला तो पिछले एक वर्ष का हिसाब-किताब चेक करने पर 50 लाख का घोटाला मिला है। इसके अलावा पूर्व प्रधान ने एसोसिएशन से 15 लाख रुपये का लोन भी ले रखा है।

जल अनमोल है, इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं: प्रो. राजबीर

- मदवि के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने जागरूकता रैली निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण के महत्व पर जोर देने के लिए एक जागरूकता रैली निकाली। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह तथा उनकी पत्नी भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर विशेष तौर पर इस जागरूकता रैली में शामिल हुए। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर जीवन में जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल अनमोल है, इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने जल संरक्षण के लिए सार्थक एवं सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने की बात कही। डा. शरणजीत कौर ने भी इस अवसर पर जल की महत्ता से अवगत करवाया। उन्होंने पर्यावरण विज्ञान विभाग के इस प्रयास की सराहना की। पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. जेएस. लौरा ने विश्व जल दिवस के महत्व को रेखांकित किया।

लाखन माजरा में हादसा, पुलिसकर्मी की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

लाखन माजरा गांव में हुए एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। लाखन माजरा थाने में दी शिकायत में जींद जिले के अकालगढ़ गांव निवासी भूपेंद्र सिंह पुत्र ईश्वर सिंह ने बताया कि वे चार भाई थे। उसका बड़ा भाई सुरेंद्र कुमार पुत्र ईश्वर सिंह हरियाणा पुलिस में नौकरी करता था और वह फिलहाल पुलिस लाइन रोहतक के क्वार्टर नंबर 12 जी में अपने बच्चों के साथ रहता था। कल शाम के वह अपने गांव अकालगढ़ आया हुआ था। शाम को करीब 8 बजे वह अपनी एक्टिवा लेकर व हैलमेट पहनकर रोहतक के लिए चला था। रात को सूचना मिली कि उसके भाई का लाखन माजरा में जींद रोहतक रोड पर ड्रेन के पास एक्सीडेंट हो गया है। सूचना पाकर वह मौके पर पहुंचा। डायल 112 वाहन में भाई को लेकर वह रोहतक पीजीआई पहुंचा। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

महम। आगजनी के दौरान घर में उठ रही आग की लपटें। फोटो : हरिभूमि

भैणी सुरजन में गैस सिलेंडर लीक से घर में लगी आग

- सरपंच प्रतिनिधि ने सरकार व प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजे के तौर पर आर्थिक मदद करने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

गैस सिलेंडर लीक होने से भैणीसुरजन गांव के एक मकान में आग लग गई। आग लगने से रखा सामान जलकर राख हो गया। अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाले रघबीर धानक के घर में गत दिवस शाम के समय अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को महम थाने में व अग्निशमन केंद्र महम में दी। दमकल केंद्र की गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों व ग्रामीणों के प्रयास से आग को बुझा दिया गया। लेकिन तब तक घर का सारा सामान स्वाह हो चुका था। ग्रामीणों का कहना है कि पीड़ित रघबीर भेड़ बकरी पालकर अपना व अपने परिवार का गुजर बसर करता है। उसकी आर्थिक हालात बहुत ही कमजोर है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि अमित सिवाच ने भी सरकार व प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजे के तौर पर आर्थिक मदद करने की अपील की है।

महम से संदिग्ध हालत में मामा-भांजा लापता बहादुरगढ़ में मिली कार

महम। महम से एक मामा-भांजा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। जिस कार में वे घर से गए थे, वह कार लावारिस हालत में पुलिस को बहादुरगढ़ में खड़ी मिली है। इस संबंध में परिजनों ने महम थाने में शिकायत दी है। महम कस्बे से सटे ईमलीगढ़ गांव निवासी ममता पत्नी निहाल सिंह ने बताया कि वे हिसार जिले के पुट्ठी गांव के रहने वाले हैं और फिलहाल ईमलीगढ़ में रह रहे हैं। उसका पति राजा 22 मार्च की रात को अपने घर पर था। उसके पति का भांजा खेमा पुत्र श्रानी राम भी उनके पास आया हुआ था। वह फतेहाबाद जिले के डंडा चुई गांव का रहने वाला है। रात को डेढ़ बजे उसके पति के पास किसी का फोन आया और उसका पति राजा और उसका भांजा खेमा अपनी सफारी गाड़ी लेकर बिना बताए कहीं चले गए। अगले दिन उनके गांव पुट्ठी के सरपंच रह चुके बिल्लु का फोन आया और बताया कि राजा की गाड़ी बहादुरगढ़ में खड़ी है। जो पुलिस को वहां पर लावारिस हालात में मिली है। महम पुलिस से पति और पति के भांजे की तलाश की मांग की है।

सख्ती अब तक 312 व्यक्तियों के खिलाफ की गई कार्रवाई

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने व हंगामा करने वाले 68 व्यक्तियों को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले व हंगामा करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अलग-अलग स्थानों पर पुलिस टीमों ने छापेमारी करते हुए पिछले दो दिनों में 68 व्यक्तियो को काबू किया है। व्यक्तियों के खिलाफ 172(2) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस की सख्ती से लोगों में हड़कम्प मचा हुआ है।

रोहतक पुलिस के सहायक पुलिस अधीक्षक वाईवीआर शशि शेखर के नेतृत्व में सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने व हंगामा करने वालों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की जा रही है। लोगों को बस स्टैंड, शराब की दुकानों के आस पास, गांवों में, सड़क किनारे, फुटपाथ पर, पीजी या होटल के बाहर, पार्क, मैदान, गाड़ी के अन्दर बैठकर शराब का सेवन करते हुए या हंगामा करते हुये काबू किया गया है। थाना आर्य नगर पुलिस द्वारा 3 व्यक्ति, थाना शहर रोहतक पुलिस द्वारा 4 व्यक्ति, थाना सांपला पुलिस टीम द्वारा 6 व्यक्ति, महम टीम द्वारा 6, शिवाजी कॉलोनी टीम द्वारा 1, कलानौर टीम द्वारा 7, पीजीआईएमएस की टीम द्वारा 6, लाखनमाजरा पुलिस टीम द्वारा 3 व्यक्ति, सिविल लाइन पुलिस टीम द्वारा 10 व्यक्ति, सदर पुलिस टीम द्वारा 2 व्यक्ति व पुरानी सब्जी मंडी पुलिस टीम द्वारा 11 व्यक्तियों को व महिला पुलिस टीम द्वारा 9 व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन व हगांमा करते हुए काबू किया गया है। रोहतक पुलिस द्वारा पिछले 5 दिनों में अब तक कुल 312 व्यक्तियों को क़ाबू किया जा चुका है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक स्थानों पर नशीले पदार्थों का सेवन न करें। हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है जो आगे भी जारी रहेगी।

रोहतक। शराब पीकर हंगामा करने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

खोखराकोट

रोहतक शहर में खोखराकोट, एक प्राचीन स्थल है, जिसका उल्लेख महाभारत में मिलता है और यह यौधेय गणराज्य की राजधानी थी। इसकी खुदाई में 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 11वीं शताब्दी ईस्वी तक की वस्तुएं मिली हैं, जो इसकी प्राचीनता को दर्शाती हैं। खोखराकोट से यौधेय शासनकाल के सिक्के और मुहरें मिली हैं, जो प्राचीन भारत में सिक्के ढालने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हैं। रोहतक को पहले रोहतासगढ़ कहा जाता था और यह नाम दो पुराने स्थलों के खंडहर स्थलों (खोखराकोट) पर लागू होता है।

लोक साहित्य की धरोहर हैं पं. रामसरूप सिटावली

सांगी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी का लोक साहित्य समृद्ध रहा है, जिसकी परम्परा बड़ी वैभवशाली है। इसमें हमेशा से सांग और भजन विशेषतः उल्लेखनीय रहे हैं। प्राचीन काल से ही भजनियों के द्वारा समाज के बीच जाकर भजनों से जागृति पैदा करने का रिवाज रहा है। जबकि हरियाणा की प्रसिद्द नाट्य विधा सांग के माध्यम से

साँगियों ने जन-मानस के मनोरंजन के साथ-साथ ऐतिहासिक और पौराणिक कथानकों से उन्हें अवगत करने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

हरियाणा के सुप्रसिद्ध सांगियों की इस गौरवशाली परम्परा में ही एक नाम है पंडित रामसरूप भारद्वाज सिटावली। पंडित रामसरूप भारद्वाज का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गाँव सिटावली में 16 मार्च 1916 को हुआ। जनमानस में रामसरूप सिटावाली के नाम से जाने-जाने कवि पंडित रामसरूप का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पंडित बदलूराम और माता का नाम भागोदेवी था। उन्होंने सोनीपत जिले के गाँव जुआं के राजकीय विद्यालय से आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की। युवावस्था में इनका विवाह छोटी देवी के साथ संपन्न हुआ। इनके तीन लड़के पंडित दयानंद शर्मा, पंडित राम रतन शर्मा, पंडित राजेंद्र शर्मा व दो लड़कियां राममूर्ति देवी और लक्ष्मी देवी हुई। पंडित रामसरूप बचपन से ही पढ़ने में बहुत होशियार थे। उनका नाम कक्षा के मेधावी छात्रों में लिया जाता था। उन्होंने बचपन से अपने मन के भावों को कविता के रूप में अभिव्यक्त करना शुरू कर दिया था। उनकी आवाज भी मधुर और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली थी। उन्हीं दिनों को याद करते हुए एक बार उनके सहपाठी रहे मास्टर नवल सिंह और गामड़ी निवासी टीका राम ने बताया था कि एक बार सुप्रसिद्ध कवि पंडित

लख्मीचंद सांग करने के लिए गांव सिटावली आए हुए थे। उनके सांगों को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते थे, एक दिन पंडित रामसरूप भी वहां चले गए। पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था। उन्होंने इस संबंध में अपनी एक रचना में उल्लेख किया है...

श्री लख्मीचंद गुरु ने धरया बिघनी नाम छांट कै
रामसरूप सिटावली आलां मारै तरले पाट कै।

उन्होंने लगभग दस सालों तक जनमानस के लिए सांग और भजन की प्रस्तुति मंचों से दी। लेकिन दुर्भाग्यवश उनका गला खराब हो गया और उन्होंने सांग करना छोड़ दिया। आजीविका चलाने के लिए पंडित रामसरूप पंडित चिरंजी लाल वकील जो कि पूर्व स्पीकर रहे कुलदीप शर्मा के पिता थे, उनके यहां मुंशी के पद पर काम करते थे। उसी दौरान एक दिन पंडित रामसरूप कुछ लिख रहे थे कि इतने में बाहर से चिरंजीलाल आ गए तो उन्होंने वह कागज अपनी जेब में डाल लिया। इस पर चिरंजीलाल ने कहा कि कविराज! मुझे भी दिखाओ, ऐसा क्या लिख रहे थे जो आप मेरे आते ही छुपा रहे हो तो पंडित रामसरूप ने मना किया। पर बार-बार आग्रह करने पर वह कागज उन्हें दे दिया जिस पर लिखा था....

जुलम करै या गवर्नमेंट दे दे पास वकीलां नै
सच पूछो तो भारत देश का कर दिया नास वकीलां नै

यह पढ़कर चिरंजीलाल ने उनकी बहुत सराहना की और बोले आपने बिल्कुल सच्चाई लिखी है। इसके बाद वर्षों तक उनका लेखन जारी रहा। स्वास्थ्य खराब होने के चलते 10 दिसंबर 1976 को पंडित रामसरूप का निधन हो गया। पंडित रामसरूप ने अनेक भजन ,उपदेशक, ब्रह्म ज्ञान के छंद, सोरठे व सांगों की रचना की है। उनके द्वारा जुलाई 1968 में प्रकाशित 'सांगीत कृष्ण का भात' कृति के पृष्ठ आवरण के अनुसार उन्होंने कृष्ण का भात, नल का जन्म, मंदा रानी का दिसोटा (भाग एक), नल गजमोतिन, नरसी का भगत, सती मनोरमा (भाग एक और दो), बजरंग दे (भाग एक और दो), नर सुल्तान निहाल दे (भाग एक,दो और तीन), निहालदे के परवाने, निहालदे सती, सती शीलादे (भाग एक और दो), कृष्ण रुक्मणी सांगों की रचना की। इसके अतिरिक्त हीर रांझा, बीजा सोरठ सांगों की भी लिखें हैं। पंडित रामरतन शर्मा जो पंडित रामसरूप के बेटे हैं और उनकी रचनाओं को समाज की अमानत मानकर सहेजे हुए हैं, के अनुसार उनके द्वारा बनाए गए सांग चंदा भाई, रघुवीर कौर और धर्मपाल शांता कुमारी सांग आज उपलब्ध नहीं हैं।

गौरतलब है कि पिता के संस्कारों के ही प्रभाव से रामरतन शर्मा भी हरियाणवी भजन और रागनियों की रचना करते हैं और एक कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं। पंडित रामसरूप के लिखे सांग और भजन हरियाणा के विभिन्न लोक गायकों द्वारा गाए गये हैं तथा उनकी रचनाएं यूट्यूब पर भी उपलब्ध हैं। रामरतन शर्मा और संस्कृतिकर्मी पंकज शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडित रामसरूप के शिष्यों में पंडित लक्ष्मीनारायण, जंगली दास, जगन लाल (नैना), फूल सिंह (खेड़ा), चंदगीराम (पिनाना), रामकिशन रोलद (पिनाना), धन्ना सिंह (सनखेड़ा),शेर सिंह (जुआं), सूरजभान (सिटावली) ने नाम शामिल उल्लेखनीय हैं। जबकि पंडित रामस्वरूप के सांगों से प्रभावित होकर कंवर सिंह (निलोठी), रामचरण (गुमड़), रामकिशन (पिनाना), मेहर सिंह (पुरखास) और जिले सिंह (बरोना) भी उनके शिष्य बने।

पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को अपना गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था।

पंडित रामसरूप के रचना संसार में जहां विविधता के दर्शन होते हैं वहीं बेहतरीन काव्य सौष्ठव भी दृष्टिगोचर होता है। जनसामान्य की भाषा को अपने काव्य में मजबूती से प्रयोग करके वे लोगों के मन तक पहुंचते हैं। उनके काव्य में छंद के प्रति उनकी निष्ठा स्पष्ट दिखती है तो अलंकार स्वतः प्रष्फुटित होते प्रतीत होते हैं। उस पर भी आध्यात्म, देशप्रेम, लोकाचार, जन संवेदना और कर्तव्यबोध उनकी रचनाओं की विशेषता रहे हैं। पंडित रामसरूप अपनी पारिवारिक स्थिति और गुरु से प्राप्त सन्देश का उल्लेख करते हुए लिखते हैं...

लख्मीचन्द गुरू जी जो कहगे वाहे होगी बात सही
इब रामसरूप सिटावली आला टोहे जा कोय चीज नई
भाई पांच मरे मेरे आगै माता बी स्वर्ग सिधार गई
क्यां की खात्तर के करना न्यूं सोच हरि की शरण लई

एक रचना में उन्होंने परमात्मा को चेताते हुए लिखा है ...

सबके मन की जाणण आला नाम तेरा यू अन्तरयामी
भगत तेरे की हीणी होज्या वा भी सै तेरी बदनामी

पंडित रामसरूप के जन्म के समय देश गुलामी से त्रस्त था। उस समय की परिस्थियों का प्रभाव भी उनकी लेखनी पर पड़ा है। भगत सिंह की बहादुरी पर वे कहते हैं ...

भगत सिंह नै जब गोला मारया असेम्बली थर्राई
भाज कई कुर्सी नीचै बडगे कदे दे ज्या सकल दिखाई।

देश की आजादी पर उनकी खुशी उनकी रचना के माध्यम से देखिए...

शुभ घड़ी आज आग्यी म्हारी दया करी भगवान नै
गोरे डरते भाज गए छोड़ कै हिन्दुस्तान नै

एक रचना में सामाजिक एकता का सन्देश देते हुए उनकी पंक्तियाँ प्रभावित करती हैं ...

न्यारे-न्यारे पाटण मै ना होवै थारा गुजारा
घणी सींख मिलकै आपस मै सरकादें पत्थर भारा

भारतीय समाज की मान्यता लोकाचार देखें ....

गुरु लख्मीचंद धर्म क्षत्री का रामस्वरूप के याद करवा गऊ ब्राह्मण साधु की खातर जान चली जा तै के परवाशीश कटा कै, गऊ छुटा कै, हो ज्या बात वसूल ....

महाभारत में पांडवों के अज्ञातवास के प्रसंग का वर्णन करते हुए उनका एक दोहा प्रस्तुत है...

सुन सैरन्ध्री की बात को हो गया विश्वास
उत्तरा कुमारी पहुंच गई वृहन्नला के पास

रामायण में कैकेयी की वीरता और राम वनवास का वर्णन करते हुए कहते हैं ...

केकैयी दशरथ गैल्यां आप चढ़या करती रण मै
धुरी टुटी हाथ अडाया पीड घणी हुई तन मै
सही राजी होके बचन भरे थे जो धारण करी थी मन मै
वे बचन मांग फेर कढा दिये थे श्री रामचन्द्र जी वण मै

समाज को सन्देश देते हुए उन्होंने लिखा है .....

भुंडा भुंडी करया करै सदा भले पुरुष के संग
जैसे चन्दन कै लिपटया रहै ना तजता जहर भुजंग
कदे नीच नै छेडै ना चाहे कितना करले तंग
जैसे पत्थर पड़े कीच मै वो उच्छल बिगाड़ै अंग

पंडित रामसरूप सिटावली के विस्तृत साहित्य संसार से रूबरू होकर निश्चित हो जाता है कि उन्होंने अपने साहित्य से हरियाणवी को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। उनकी रचनाएँ समाज को प्रेरित करती हैं। निसंदेह ऐसे लोककवि हरियाणवी लोक साहित्य की धरोहर हैं जो किसी को भी हरियाणवी की ओर आकर्षित करते हैं तथा हरियाणा को गर्वित करते हैं।

कविता | सत्यवीर नाहड़िया

चोल्ला नै बदनाम करैं ये...

चोल्ला नै बद्नाम करैं ये, पाप हुवै जो भारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

एक बखत था बाबा पग-पग, फरज निभाया करते।
धरम-करम का मरम खोल कै, वे समझाया करते।
कदे नहीं बहकाया करते, पुज्जैं थे नर-नारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

नये दौर के न्यारे बाबा, नित जो ढोंग फलावैं।
अपणे दुक्ख मिटैं कोन्या पर, जग के दुक्ख मिटावैं।
भगत बावळे बढ़ते जावैं, ढोंग-करम न्यूँ जारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

चेल्ले कम अर चेल्ली ज्यादा, नीयत घणी डिगावैं।
कुछ दिन पाच्छै पोल खुलै तै, बंद जेळ म्हं पावैं।
भोळी जंता नै भरमावैं, बणकै खुद अवतारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

किरपा अटकी कोय उतारै, चटणी हरी खुवाकै।
कोये कष्ट मिटावै सारे, धूळी चरण दिवाकै।
कोये दे ताबीज़ बणाकै, कुछ बण ग्ये ब्योपारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

बोट्टां खात्यर नेता सारे, इन्नै सीस नवावैं।
अंधभगत सभ देक्खा-देक्खी, इन्नै पुज्जे जावैं।
कह 'नाहड़िया' ढोंग रचावैं, कला सीख ल्यी न्यारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

कविता | आशा खत्री 'लता'

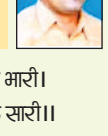

पणिहारिण स्याणी

जिस कूए का मीठा पाणी,
उड़े तैं भरै पणिहारिण स्याणी।

जितणा हो उतने मैं सारै,
दुखी करया करै चीज बिराणी।

घर-घर हांडै होठ पीटती,
उसनै कह सब धक्के खाणी।

आपणे घर मैं सुथरी लगै,
आपणे राजा के संग राणी।

माँ बाप्पा की पैड़ पै चालै,
छोटा बालक बेटी याणी।

गैर टैम सज-धज कै लिकड़ै,
लोग कहवैं उसनै गिरकाणी।

भले घरां तैं कदै डिगै ना,
आ बैठ अर मीठी बाणी।

कहै 'लता' ढंग तैं चाल्लै तै,
घर मैं सुरग तार ले प्राणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक तथ्य | **14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने नए किले का निर्माण किया था, जहां वर्तमान में किला मोहल्ला आबाद है**

रोहतक नगर के भव्य ऐतिहासिक साक्ष्य आज भी मौजूद

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

रोहतक एक प्राचीन नगर है जिसका साक्ष्य खोखरा कोट स्थल है। खोखरा कोट के उत्खनन से सदियों पुराने सिक्के आदि प्राप्त होते रहे हैं। यहां पर न केवल खोखरों द्वारा निर्मित दुर्ग था बल्कि प्राचीन रोहतक नगर की आबादी भी उसी स्थल के इर्द-गिर्द थी।

विभिन्न पुरातत्वविदों द्वारा समय-समय पर खोजबीन करने पर रोहतक के प्राचीन होने के बारे में साक्ष्य प्राप्त होते रहते हैं। वर्तमान नगर की आबादी सल्तनत काल में स्थानान्तरित हुई प्रतीत होती है। क्योंकि 14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने एक नए किले का निर्माण कर लिया था जहां आजकल किला मोहल्ला आबाद है। उसी किले पर कन्धार के पठानों व शेखों आदि का नियन्त्रण बना रहता था तथा इर्द-गिर्द नई आबादी बस गई। रोहतक के किले पर वर्ष 1412 में मलिक ईदरीश तथा उसके भाई मुबारिज खान का अधिकार था। उस वर्ष सैयद वंश के खिजर खान ने रोहतक के किले पर धावा बोला था जो कई मास के घेरा डालने के बाद सफल हुआ था। लेकिन मलिक ईदरीश ने खिजर खान को एक मुश्त राशि देकर किले पर अपना नियन्त्रण ही बनाए रखा, जो लगभग 20 वर्षों तक रहा। तारीख-ए-मुबारक शाही में उपरोक्त ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। उसके बाद मुगल काल में रोहतक परगने का मुखिया शमशेर खां नामक अधिकारी रहा। यद्यपि रोहतक के उस ऐतिहासिक किले के अब कोई अवशेष बाकी नहीं हैं, उस स्थान पर केवल एक मोहल्ला आबाद है। लेकिन 1870 में डेविड बेगलर नामक अंग्रेज ने रोहतक के किले का बाह्य चित्र लिया था जो अभी भी उपलब्ध है। वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग किया गया था, जो ऐतिहासिक पुस्तकों में दर्ज हो गया। किले के आस-पास के निवासी रांघड़ व पठान बबरखां के नेतृत्व में संगठित हो गए और किले मे आवश्यक युद्ध सामग्री इकट्ठी की गई थी। इसका

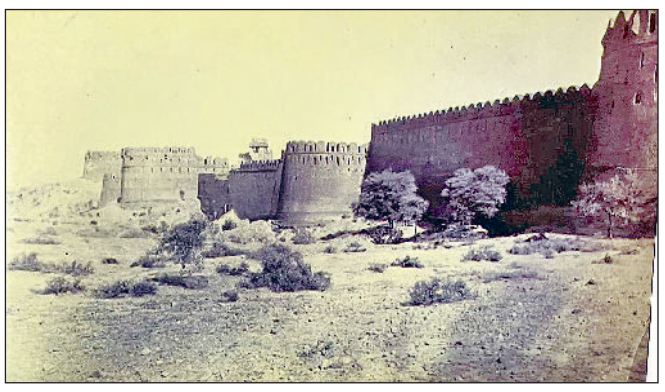

रोहतक के किले का वास्तिवक चित्र जो कि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग हुआ

दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को पता चला तो उन्होंने हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक आक्रमण के लिए भेज दी। किले में ग्रामीण रांघड़ों के अतिरिक्त बगावत करके आई हुई फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री यानि पहली हल्की पैदल सेना बटालियन भी थी। इस प्रकार 17 अगस्त 1857 से 2-3 दिनों तक रोहतक के किले के बाहर अंग्रेज सेना से युद्ध हुआ था। अन्ततः जीन्द राजा द्वारा भेजे गए सैनिकों आदि की सहायता से हड़सन का पक्ष विजयी रहा। उल्लेखनीय है कि फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री बटालियन मुख्यतः रोहतक कलानौर क्षेत्रों के रांघडों व पठानों द्वारा गठित थी, जो अंग्रेज सेना का अंग होती थी। इसी प्रकार अंग्रेजों का शासन स्थापित होने पर उन्होंने रोहतक, महम, हांसी तक का क्षेत्र दुजाना के नवाब को प्रदान कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र की जनता से वह लगान वसूल नहीं कर पाया और भिवानी में दुजाना नवाब के लड़के का वध कर दिया। तब बोहर वासियों द्वारा दुजाना नवाब के दामाद का कत्ल कर देने पर नवाब ने इस क्षेत्र का स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। 1810 में अंग्रेजों ने भिवानी में इकट्ठे हुए ग्रामीणों के साथ युद्ध किया तथा उपरोक्त समस्त क्षेत्र को 1810 से एक नया जिला बना दिया। इसको शिमाली जिले का नाम दिया गया तथा एडवर्ड गार्डिनर को जिलाधीश बनाकर हांसी मुख्यालय स्थापित किया गया जबकि 1818-1820 में गोहाना-खरखौदा परगनों के स्वत्रन्त्र होने पर अंग्रेजों ने 1824 से रोहतक को एक स्वतन्त्र जिला बना दिया। उल्लेखनीय है कि गोहाना-खरखौदा परगनों पर तब तक सिख शासकों का अधिकार था। इसी प्रकार वर्ष 1858 से झज्जर व बहादुरगढ़ रियासतों के जब्त होने पर रोहतक जिले में फिर से एक बार प्रशासनिक परिवर्तन किया गया था।

गौकर्ण तालाब के पास 500 वर्ष पुरानी इमारत, जोकि रोहतक के प्राचीन होने का साक्ष्य है। यहां अरबी भाषा में लिखा शिलालेख भी मौजूद है

सांस्कृतिक विरासत को संजोने में फिल्में अहम : विजय तंवर

कलाकार | **ओ.पी पाल**

भारत एक संस्कृतिक देश है, जिसमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति का अपना अलग महत्व है, जिसकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलख जगाने में कलाकार, गीतकार, साहित्यकार और लेखक अपनी अपनी विधाओं में साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही फिल्म जगत में अपनी कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखने का संदेश देते आ रहे कलाकार विजय तंवर ने अभिनेता के साथ फिल्म निर्देशक की भूमिका में लोकप्रियता हासिल की है। फिल्मों के अलावा धारावाहिक व वेबसीरिज के निर्माण में जुटे फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे तथ्यों को भी उजागर किया, जिसमें फिल्मों के क्षेत्र में कला और संस्कृति के आधार पर निर्मित फिल्मों से सामाजिक विरासत को संजोना संभव है।

विजय तंवर का जन्म 15 दिसंबर 1965 को गुरुग्राम जिले के गांव करोला में जगदीश सिंह तंवर और भगवती देवी के घर में हुआ। इनके पिता भारतीय नौसेना में थे। पिता के साथ रहते हुए ही उन्होंने अपनी स्कूली और कालेज की शिक्षा मुंबई में ही ग्रहण की। उनके परिवार में उन्हें अभिनय या संगीत का माहौल तो नहीं मिला, लेकिन वह स्कूल में अपनी म्यूजिक क्लास के दौरान थोड़ा गाना बजाना कर लिया करते थे। इसी कारण स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे। दसवी कक्षा के दौरान मुंबई में उन्होंने

तीन फिल्मों त्रिशूल, नास्तिक, रॉकी इत्यादि की शूटिंग को देखा तो उनके मन में काम करने का जज्बा पैदा हुआ। खासकर शूटिंग के दौरान सभी प्रमुख अभिनेता समेत सभी कलाकार निर्देशक से लेकर तकनीकी टीम को सम्मान देते हैं और निर्देशक के इशारे पर काम करते हैं। उन्होंने सम्मान की खातिर फिल्म जगत में किसी भी ऐसी भूमिका के लिए उत्सुकता महसूस की। इसलिए वह फिल्म निर्देशकों और प्रोडयूसरों के दफ्तरों के चक्कर काटकर उनसे मेलजोल बढ़ाने लगे। फिल्म क्षेत्र में काम करने के लिए ही विजय तंवर ने सामाजिक कार्य में प्रोफेशनल मास्टर डिग्री, फिल्मोग्राफी, फिल्म मेकिंग में कोर्स भी किये। फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने बताया कि ग्रेज्युएशन के दौरान कुछ प्रोड्यूसर, डायरेक्टरों से संबंध मजबूत हुए तो सहायक निर्देशक के रूप में काम मिल गया। हालांकि उन्होंने ऐसा कोई कोर्स तो नहीं किया था, इसलिए भरोसा जमाने के लिए चार पांच साल लग गये। उन्हें पहली फिल्म मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उसके बाद पांच फिल्मों में काम किया, जिनमें दो रिलीज हो पाई। उनके सहायक निर्देशन में पहली रिलीज होने वाली फिल्म 'अधूरी सुहागरात' थी। दूसरी फिल्म मोहब्बत मेरा नसीब थी, जिसमें अनुपम खेर, सुरेश ओबरॉय, मोहनीश बहल, पुनीत इस्सर आदि रहे। इसके बाद बागी औरत फिल्म में उन्होंने काम किया। उन्होंने दूरदर्शन पर 52 एपिसोड का सीरियल 'दास्ताने हातिम ताई' किया। इसके बाद एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में तीन और सीरियल किये, जिनमें द ग्रेट मुगल, इन्तेहा और स्पेशल टास्क फोर्स के नाम शामिल हैं। उन्हें एक हरियाणवी फिल्म 'छोरी नट की' में भी काम करने का मौका मिला। तंवर को हिंदी फिल्म 'गुड्डू' में भी सहायक निर्देशक के रूप में काम करने का मौका मिला।

फिल्म कलाकार विजय तंवर का कहना है कि युवाओं को लोक कला संगीत, अभिनय संस्कृति के प्रेरित करना चाहिए, जिसके लिए वह भी करते आ रहे हैं। कला के माध्यम से ही संस्कृति हमारे जीवन में संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, सिनेमा, फोटोग्राफी रूप में अभिव्यक्ति पाती है। इस युग में युवाओ को लोक कला, संगीत, अभिनय, रंगमंच जैसी संस्कृति के लिए प्रेरित करना आवश्यक है, जो सामाजिक परिदृश्य को संरक्षित या मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। भले ही नए तकनीक संचार के उपयोग के कारण युवा अधिक ध्यान दे रहे हों, लेकिन अपनी संस्कृति के मान सम्मान से ही वे अपनी सामाजिक विरासत को संजोए रख सकते हैं।

पुरस्कार और सम्मान

विजय तंवर के निर्देशन में समाज में बालिकाओं की स्वीकार्यता पर आधारित निर्मित लघु फिल्म 'दिशा' को 25 से भी ज्यादा फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार मिल चुके हैं। तंवर को मिले प्रमुख पुरस्कारों में दादा साहब फाल्के अवार्ड के अलावा मराठवाडा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल मुंबई, काशी इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, गंगटोक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, एशियन टेलेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, रील्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, सेवन सिस्टर नॉर्थ ईस्ट इंटर नेशनल फिल्म फेस्टिवल, उमरेड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जलगांव इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा रोशनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आदि में पुरस्कार मिले हैं।

30 मार्च से नवरात्र, मां जगदंबे की पूजा सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी

■ रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का अद्भुत संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस बार नवरात्रि 30 मार्च से आरंभ होंगे। भक्त इन 9 दिनों तक व्रत रखते हैं और मां दुर्गा की आराधना करते हैं। इस बार चैत्र नवरात्रि 9 नहीं बल्कि 8 दिनों की होगी। यानी नवमी इस बार 6 अप्रैल को होगी। चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से शुरू हो रही है और 6 अप्रैल को खत्म होगी। यानी नवरात्रि में घटस्थापना 30 मार्च को होगी और रामनवमी 6 अप्रैल को होगी। दुर्गा भवन मंदिर के पुजारी आचार्य मनोज मिश्रा ने बताया कि नवरात्रि का आरंभ इस बार रविवार से होगा, इसलिए इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी। ऐसा माना जाता है कि यह रूप भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी करता है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कई शुभ योग बन रहे हैं और इस वक्त घटस्थापना बहुत शुभ फल देने वाली मानी जा रही है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही हिंदू नववर्ष का आरंभ माना जाता है।

चैत्र नवरात्रि की तिथि कब से कब तक

चैत्र नवरात्रि में कलश स्थापना 30 मार्च को होगी। इस बार मां जगदंबे की पूजा सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी। 29 मार्च को शाम 4 बजकर 32 मिनट पर प्रतिपदा तिथि शुरू हो रही है और यह तिथि 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगी। पूजा का शुभ समय 30 मार्च की सुबह से शुरू हो जाएगा और जो दोपहर 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। इसलिए, भक्त 30 मार्च की दोपहर तक कलश स्थापना कर सकते हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग में पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है।

चैत्र नवरात्र का महत्व

चैत्र नवरात्रि विशेष रूप से मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा करने का समय है। इस दौरान नवरात्रि व्रत करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। मां दुर्गा की पूजा से न केवल मानसिक शांति प्राप्त होती है, बल्कि यह शरीर और आत्मा को भी शुद्ध करती है।

पंडित मनोज मिश्रा।

चैत्र नवरात्रि की अष्टमी और नवमी

दुर्गा भवन मंदिर के पुजारी आचार्य मनोज मित्र ने बताया कि इस बार नवरात्रि 8 दिन की होगी। 30 मार्च रविवार को कलश स्थापना की जाएगी और पहला नवरात्रि का व्रत रखा जाएगा। 31 मार्च सोमवार को द्वितीय और तृतीय नवरात्रि व्रत रखा जाएगा। 1 अप्रैल मंगलवार को चतुर्थ नवरात्रि व्रत रखा जाएगा। 2 अप्रैल बुधवार को पंचम नवरात्रि की पूजा होगी। 3 अप्रैल गुरुवार को षष्ठम, 4 को सप्तम, 5 को दुर्गा अष्टमी और 6 अप्रैल रविवार को दुर्गा नवमी एवं रामनवमी की पूजा होगी।

खास बातें

- कलश स्थापना का शुभ समय सुबह 6 बजकर 13 मिनट से 10 बजकर 22 मिनट तक
- दोपहर 12 बजकर 1 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि में सर्वार्थसिद्धि योग और रवि योग का संयोग

आचार्य मनोज मिश्रा ने बताया कि चैत्र नवरात्रि में रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का अद्भुत संयोग बन रहा है। खास बात यह है कि महापर्व के दौरान चार दिन रवि योग तथा तीन दिन सर्वार्थसिद्धि योग का संयोग रहेगा। यानी, ये पूरा समय पूजा-पाठ और शुभ कामों के लिए अच्छा है। रवि योग और सर्वार्थसिद्धि योग दोनों ही ज्योतिष में बहुत शुभ माने जाते हैं। इन योगों में किए गए काम सफल होते हैं।

चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा की सवारी

इस बार चैत्र नवरात्रि रविवार से शुरू हो रही है, इसलिए मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। ज्योतिष में यह बहुत शुभ माना जाता है। मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी और 7 अप्रैल को हाथी पर सवार होकर ही वापस जाएंगी।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

उदया तिथि के अनुसार, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 30 मार्च को है यानी घट स्थापना इसी दिन होगी। कलश स्थापना के लिए शुभ समय सुबह 6 बजकर 13 मिनट से 10 बजकर 22 मिनट तक होगी। इसके अलावा, दोपहर 12 बजकर 1 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त भी है। इन दोनों मुहूर्तों में कलश स्थापना करना मनोवांछित फल प्रदान करने वाला माना जाता है।

खबर संक्षेप

अज्ञात ट्राला चालक के खिलाफ केस दर्ज

महम। लाखन माजरा के बैंसी गांव के नजदीक पेट्रोल पंप के पास हुए सड़क हादसे में कार में सवार हरियाणा प्रदेश माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ईश्वर सिंह मालवाल की मौत हो गई थी। यह हादसा ट्राला चालक की लापरवाही की वजह से हुआ बताया जा रहा है। क्योंकि ट्राला रोंग साइड खेतों में पड़ा है। इस संबंध में गुरुग्राम के सेक्टर 5 निवासी रामगोपाल पुत्र पोकर दास ने बताया कि वह शादीशुदा व बाल बच्चेदार है। वे तीन भाई थे। सबसे बड़ा मोहर सिंह और उसके बाद वह खुद और सबसे छोटा ईश्वर सिंह था। मोहर सिंह का पहले ही देहांत हो चुका है। वह शनिवार 22 मार्च को अपने घर पर ही था। उसे टेलिफोन द्वारा सूचना मिली कि उसके भाई ईश्वर की लाखन माजरा महम मार्ग पर बैंसी गांव के पास हुए एक्सीडेंट में लगी चोटों के कारण मौत हो गई है।

एमडीयू के सेवानिवृत्त प्रोफेसर सम्मानित

रोहतक। महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर के एक 109 वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय प्रोफेसर डॉ. बलवीर आचार्य को स्वामी ओमानन्द सरस्वती विद्वत पुरस्कार से सम्मानित किया गया । आचार्य वैदिक साहित्य के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान हैं । आपके अनेक शोध ग्रन्थ एवं शोध लेख प्रकाशित हो चुके हैं। देश और विदेशों में आप वैदिक संस्कृति , दर्शन और योग के प्रचार प्रसार में निरन्तर कार्यरत रहते हैं । ये महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के संस्कृत विभाग से प्रोफ़ेसर पद से सेवानिवृत्त हुए थे। ये विभिन्न विश्वविद्यालयों की शिक्षण परिषद् के सदस्य रहे।

शहीदी दिवस पर किया पोधरोपण

रोहतक। सुभाष नगर में शहीदी दिवस मनाया गया। शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए बाबा बालक पुरी पार्क में पौधारोपण किया गया। आरडब्ल्यूए प्रधान प्रवीन सहगल ने कहा कि शहीदों का सम्मान करना ही सच्ची देशभक्ति है। इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ नमन करते हुए समाजसेवी जसबीर कुमार, राजकुमार डंग, प्रदीप ट्री मैन, भूषण वधवा, प्रीतम अहलावत, मुकेश सैनी, इन्द्र चावला, राजेन्द्र प्रसाद, वेदप्रकाश छाबड़ा व बच्चों ने पौधारोपण किया।

महम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

शहादत दिवस पर जिलेभर में श्रद्धा से याद किए गए भारत मां के मतवाले

शहीदों के बलिदान को नहीं भूलकर देशहित में दें योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को शहीदी दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान उन्होंने भिवानी स्टैंड पर स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने राजगुरु, सुखदेश और भगत सिंह के बलिदान को याद किया। पार्षद विकास श्योराण, सुखबीर गोयत, रामपाल चौहान, राजेश बड़ाली व अशोक गुप्ता समेत कई कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज शहीदों के बलिदान की वजह से ही हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उनकी बदौलत ही देश को अंग्रेजी शासन से आजादी मिली थी। हमें कभी भी शहीदों के बलिदान को नहीं भूलना चाहिए। इस मौके पर अनिल रोहिल्ला, वेदप्रकाश, नरेंद्र मिस्त्री, मोनू वर्मा, गौरव रोहिल्ला, दयानंद आर्य व राजेश जिंदल मौजूद थे।

महम। भिवानी स्टैंड पर आयोजित शहीदी दिवस समारोह में भाग लेते शहरवासी।

शहीदों के बलिदान को सदैव रखा जाएगा याद

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने शहीदी दिवस के अवसर पर भारत मां के महान सपूत भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को नमन करते हुए कहा है कि उनके बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु का भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अद्वितीय योगदान रहा है। धीरेंद्र खडगटा ने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी थी। उन्होंने कहा कि भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल एक राजनीतिक संघर्ष नहीं था, बल्कि ये लाखों क्रांतिकारियों के बलिदान, त्याग और साहस की अमर गाथा भी है।

दो मिनट का मौन रख शहीदों को श्रद्धांजलि दी

रोहतक। शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह को याद करते हुए मकैनिकल कर्मचारी यूनियन के कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक से पूर्व सभी कर्मचारियों ने शहीदों की याद में दो मिनट का मौन धारण किया। हरियाणा कर्मचारी महासंघ के पूर्व प्रान्तीय महासचिव व रोडवेज कर्मचारी यूनियन हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह धनखड़ ने केन्द्र व राज्य सरकार से मांग की कि शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव जो 23 मार्च 1931 को राष्ट्र की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गये थे। उन्हें सरकारी तौर पर शहीदी का दर्जा दिया जाए और उनकी जीवनी एवं विचारों को स्कूली शिक्षा से जोड़ा जाए।

रक्तदान शिविर लगाकर मनाया गया शहीदी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

ग्राम खेड़ी साध के स्कूल में निपुण फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर लगाकर शहीद दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम सन फ्लैग ब्लड बैंक और जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किया गया। रक्त दान शिविर में युवाओं ने जोश के साथ रक्त दान किया। इस अवसर महिला जोनी दक्ष धर्म पत्नी जितेंद्र दक्ष ने सातवी बार रक्तदान किया। कार्यक्रम में 50 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समाजसेवी संतु पहलवान ने बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति को हर 3 महीने बाद रक्तदान करना चाहिए। समाज सेविका और निफा प्रतिनिधि मिथलेश ने बैज लगाकर रक्त दाताओं का हौसला बढ़ाया और प्रशस्ति पत्र वितरित किए। निपुण फाऊंडेशन चरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य जितेंद्र दक्ष और कपिल जैन ने सभी रक्तदाताओं , मुख्य अतिथि और स्वास्थ्य विभाग टीम का धन्यवाद किया।

न्यूज डायरी

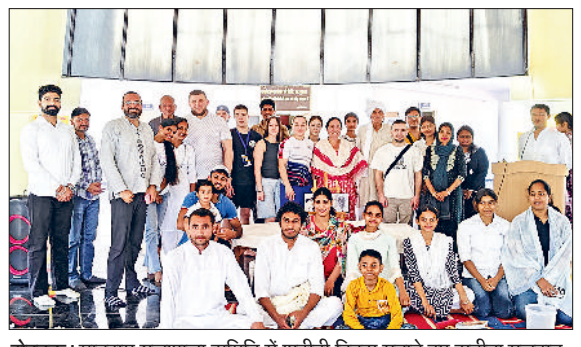

रोहतक। मातूराम यज्ञशाला समिति में शहीदी दिवस मनाते हुए सुनीता मलहान एवं विदेशी मेहमान। फोटो : हरिभूमि

देशभक्ति से ओतप्रोत रहा शहीदी दिवस

रोहतक। शहीदों की याद में मातूराम यज्ञशाला समिति द्वारा शहीदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वैदिक यज्ञ व गीत और पुष्पों से श्रद्धांजलि देकर मातूराम यज्ञशाला समिति व विश्वविद्यालय के अनेकों विद्यार्थियों ने आहुति दी। साथ ही साथ मातूराम यज्ञशाला के पदाधिकारियों ने अपना उद्बोधन दिया, जिसमें मुख्य रूप से यजशाला के अध्यक्ष आकाश हुड्डा ने रागनियों से समा बांधी और मंदीप आर्य ने भाषण दिया।कार्यक्रम के दौरान रसिया और उज्बेकिस्तान से आए विदेशी मेहमानों का स्वागत किया गया। मेहमानों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में सुनीता मलहान ने सबका सहृदय धन्यवाद किया।

बचपन प्ले स्कूल की नई शाखा का उद्घाटन

रोहतक। शिक्षा के क्षेत्र में नए कदम बढ़ाते हुए बचपन प्ले स्कूल ने वसंत विहार में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया। 2004 में स्थापित हुआ बचपन प्ले स्कूल, आज देश के 25 से अधिक राज्यों में, 1200 से अधिक शाखाओं के माध्यम से छोटे बच्चों को शिक्षा प्रदान कर उनके बौद्धिक विकास को आकार देने के लिए कार्यरत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम आशीष वशिष्ठ रहे। उन्होंने कहा कि बचपन वह समय है जब बच्चों के जीवन की नींव रखी जाती है। बचपन प्ले स्कूल बच्चों को न केवल शिक्षा देता है, बल्कि उनके जीवन मूल्यों और संस्कारों को भी संवारता है। आधुनिक तकनीकों और शिक्षा पद्धतियों के माध्यम से बचपन स्कूल बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

किंडरगार्टन ग्रेजुएशन दिवस मनाया

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल में किंडरगार्टन ग्रेजुएशन दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूल प्रबंधक रेनू नरवाल व प्रधानाचार्या मीनू टहल्यानी ने अभिभावकों के साथ मिलकर मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच संचालन मंजू हुड्डा, हिमांशी और पूनम भारद्वाज के सहयोग से केजी कक्षा के छात्र शौर्यवीर व खुशी ने किया। नर्सरी कक्षा के छात्रों ने मुझे माफ करना ओम साईं राम तथा यह तो सच है कि भगवान है जैसे गीतों पर नृत्य से समा बांध दिया। केजी कक्षा के छात्रों ने हिंदी, पंजाबी, राजस्थानी व अंग्रेजी गानों पर नृत्य के माध्यम से मानसिक व शारीरिक संतुलन और अनुशासन का अनूठा उदाहरण पेश किया। प्री प्राइमरी विंग इंचार्ज कविता हुड्डा व कक्षा अध्यापिकाओं ने सभी विद्यार्थियों को गाउन पहनाए तथा उनके सिर पर जिम्मेदारियों का हैट (टोप) पहनाकर उनको आगामी जीवन में एक वीर सिपाही की तरह निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या मीनू टहल्यानी ने छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए बताया कि बच्चे ही देश का भविष्य और राष्ट्र निर्माता हैं। अच्छे संस्कारों की नींव बचपन में ही डाली जाती है। माता-पिता को भी चाहिए कि बच्चों की इच्छा पूर्ति करते समय सही गलत का भेद समझा कर उनको धैर्य व सब्र रखना सिखाएं।

फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने बजाया आंदोलन का बिगुल, 30 को मंत्री के निवास का करेंगे घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा शाखा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन संबंधित की राज्य स्तरीय कार्यकर्ता कन्वेंशन राज्य प्रधान राजेंद्र सिन्द की अध्यक्षता में सुखपुरा चौक के पास कर्मचारी भवन में की गई। जिसका संचालन राज्य महासचिव सुखदेव सिंह द्वारा किया गया। राज्य प्रधान राजिंदर सिन्द ने बताया कि भाजपा सरकार प्रदेश में लंबे समय से कार्यरत पे-रोल, नियमित व कौशल निगम कर्मचारियों की लंबित मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है, जिस कारण कर्मचारियों में रोष है। उन्होंने बताया कि गत 10 मार्च को महानिदेशक अग्निशमन पंचकूला के साथ मांग पत्र पर लंबी चर्चा की गई। उसी समय महानिदेशक ने 17 मार्च तक मीटिंग की प्रोसिडिंग भी जारी करने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक मीटिंग की प्रोसिडिंग भी जारी नही की गई, जिससे फायर के कर्मचारियों मे भारी रोष है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के फायर बिग्रेड कर्मचारी 30 मार्च को फरीदाबाद में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन व निकाय मंत्री विपुल गोयल के निवास का घेराव करेंगे, 9 व 11 अप्रैल को सभी जिलों के मुख्य फायर स्टेशनों पर गेट मीटिंग कर फायर अफसरों के मार्फ़त मंत्री के नाम मांगों का ज्ञापन दिया जाएगा। 24 व 25 अप्रैल को सभी जिलों के मुख्य फायर स्टेशनों पर क्रमिक भूख हड़ताल की जाएगी। अगर इसके बाद भी हरियाणा सरकार ने फायर कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया गया तो राज्य कमेटी की मीटिंग बुलाकर हड़ताल का निर्णय लिया जा सकता है। इस अवसर पर राज्य संगठन सचिव संतोष कुमार, उपमहासचिव देवेंद्र लोहान, उपप्रधान विजय शर्मा, राजीव खत्री, राज्य नेता सुनील कुंडू, राजेश, शाहून खान आदि रहे।

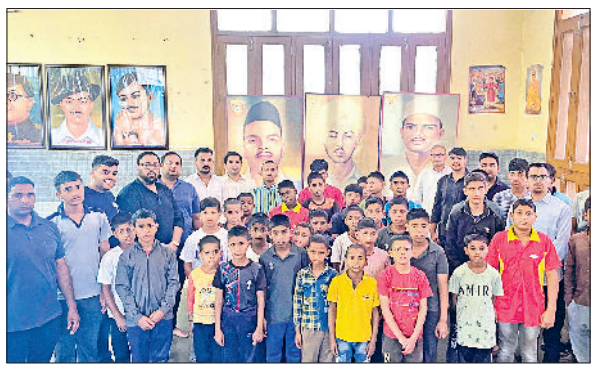

बच्चों को वितरित की खाद्य सामग्री

रोहतक। शहीदी दिवस के अवसर पर हरियाणा यूथ फाउंडेशन और शहीद भगत सिंह ब्रिगेड के अध्यक्ष सुलभ गुगनानी की अगुवाई में लखीराम अनाथालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्धेश्य शहीदों के बलिदान को याद करना और समाज में सेवा व सहयोग की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस मौके पर बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई। गुगनानी ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि समाज के उन बच्चों के साथ प्रेम और अपनापन बांटने का एक सुंदर प्रयास था, जो परिवार के स्नेह से वंचित हैं। शहीदों का बलिदान केवल किताबों में याद रखने के लिए नहीं, बल्कि उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए है। जब हम समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं, तब ही हम अपने वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। राजपाल देसवाल, संदीप ढल, अशोक गुलिया, गौरव बधवार, अंकित राणा, लक्षय बब्बर, कार्तिक देसवाल, निमेश शर्मा आदि ने बच्चों के साथ समय बिताया, उनसे संवाद किया और उनके साथ मिलकर इस विशेष दिन को और यादगार बनाया।

70वीं पुण्यतिथि पर चौधरी देवी सिंह नांदल को अर्पित की श्रद्धांजलि

रोहतक। जाट शिक्षण संस्था के संस्थापक समाजसेवी, महान स्वतन्त्रता सेनानी व दानवीर चौ. देवी सिंह नांदल बोहर की रविवार को 70वीं पुण्यतिथि उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर जाट शिक्षण संस्था स्थित चौ. देवी सिंह यज्ञशाला व प्रतिमा स्थल पर सुखबीर दहिया ने हवन-यज्ञ सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर लोकहित सोसायटी के प्रधान एवं चौ. देवी सिंह के पडपौत्र एडवोकेट चंचल नान्दल व दीपक नांदल बताया कि उनके परदादा महान दानवीर व स्वतन्त्रता सेनानी थे। जिन्होंने अपनी निजी भूमि दान करके गांव बोहर का मान बढ़ाया व जाट शिक्षण संस्था शुरू करवायी। इसके बाद उन्होंने समस्त बोहर ग्राम को भी शामलात भूमि का दान करने के लिए प्रेरित किया।

समाजसेवा करने के लिए प्रेरित किया

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में चल रहे एनएसएस शिविर में रविवार को योग और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला गाया। मुख्य अतिथि राजबीर सिंह, कमलेश और कांता ने योग और ध्यान के फायदे बताए। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. राजबाला और नीर खरब ने स्वयंसेवकों को सामाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही नो यूज ऑफ प्लास्टिक विषय पर जागरूकता गोष्ठी हुई, जिसमें प्लास्टिक के खतरों और उसके व्यवहारिक विकल्पों पर चर्चा हुई। स्वयंसेवकों ने पोस्टर के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी कड़ी में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों को खाद्य सामाग्री वितरित की गई। साथ ही स्वयंसेवकों ने बच्चों को पढ़ाई के महत्व के बारे में बताया।

ओपन आर्ट प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

टैलेंट ट्री स्कूल महम में 16 मार्च को ओपन आर्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। रविवार को इस प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के लगभग 400 छात्रों ने भाग लिया था। विभिन्न आयु वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले छात्रों को क्रमशः 3100, 2100 और 1100 रुपए का नकद पुरस्कार, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके अलावा, 50 अन्य छात्रों को सांत्वना पुरस्कार में कलरिंग किट से सम्मानित किया गया। वर्ग जे में माहिर, वर्ग ए में ध्रुव, वर्ग बी में नैंसी और वर्ग सी में अनाया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वर्ग जे में कपिक्ष वर्ग ए में लक्ष्य, वर्ग बी में वंशिका और वर्ग सी में प्रत्यक्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वर्ग जे में गर्वित, वर्ग ए में अवयुक्त, वर्ग बी में निशांत और वर्ग सी में केशव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्कूल के प्रधानाचार्य आदित्य श्रीवास्तव ने समारोह में उपस्थित सभी अभिभावकों एवं बच्चों से कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा छिपी होती है। उस प्रतिभा को पहचानकर उजागर करें। टैलेंट ट्री स्कूल में विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया जा रहा है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
Dr. Kawatra Rohtak.com

WE... THE BEST CREATION OF ALMIGHTY CREATOR SERVING HUMANITY FOR THEIR WELL BEING
RELATIONSHIP MANAGEMENT
Wish you speedy Recovery
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

जनहित एजूकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट (NGO)
नि:शुल्क प्ले स्कूल (REGD.)
नि:शुल्क ब्यूटी पार्लर
नि:शुल्क सिलाई सेंटर
नोट: NGO लेने व पार्टनरशिप के लिए सम्पर्क करें- 7027000173

खबर संक्षेप

5 साल से बेटे की तलाश में घूम रही बुजुर्ग मां

सांपला। इस्माईला गांव की महिला पिछले पांच साल से अपने लापता बेटे की तलाश में भटक रही है। लेकिन कहीं सुराग नहीं लग रहा है। बुजुर्ग महिला नरेश देवी ने बताया कि उसका बेटा नसीब पांच बर्ष पहले घर से काम के लिए गया था, लेकिन आज तक वापिस घर नहीं लौटा। करीब 70 वार्षिय महिला का कहना है कि वह कई साल से बेटे की तलाश में दर दर भटक रही है। पुलिस में भी रिपोर्ट दर्ज कराई हुई है। पुलिस भी कोई सुराग नहीं लगा रही। बहन भी हमेशा भाई के गम में खोई रहती है। जबकि पिता का पहले ही निधन हो गया था। महिला ने पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

रक्तदान शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्रित

रोहतक। शहीदी दिवस के उपलक्ष में शनिवार को जाट कॉलेज के बाहर रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें 70 युवाओं ने रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर के आयोजक सामाजिक कार्यकर्ता अजय हुड्डा ने बताया कि शिविर शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के बलिदान दिवस के उपलक्ष में सुनो नहरों की पुकार मिशन द्वारा लगाया गया। उन्होंने बताया कि युवाओं को शहीदों की जीवनी का अध्ययन करना चाहिये ताकि हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाजहित के लिए कार्य कर सकें।

एनएसएस शिविर में योग का महत्व बताया

रोहतक। वैश्य महिला महाविद्यालय के एनएसएस एवं रात्रिकालीन शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत फूल सिंह द्वारा कराए गए योग एवं ध्यान सत्र से हुई, जिसमें स्वयंसेवकों को मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने की तकनीकें सिखाई गई। इसके बाद करमवीर सिंह ने प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया, जिसमें घायलों की सहायता, आपातकालीन स्थितियों में सही निर्णय लेने और जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी गई।

निबंध प्रतियोगिता में सविता रही प्रथम

महम। राजकीय महाविद्यालय महम के इतिहास विभाग ने शहीदी दिवस के उपलक्ष में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कई छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शहीदों की सहभागिता एवं उनके बलिदान के बारे में बताया। डॉ. भूपेंद्र सिंह सहायक प्राध्यापक रक्षा अध्ययन, सुरेश कुमार सहायक प्राध्यापक कंप्यूटर विभाग व रितु सहायक प्राध्यापिका वाणिज्य विभाग ने इसमें निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। इस निबंध प्रतियोगिता में सविता, रोबिन व मन्नू ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से दी शुभकामनाएं

खेल से ही दुनिया में हरियाणा की पहचान : कृष्ण कुमार बेदी

मदवि के मंगल सेन इंडोर जिम्नेजियम हॉल में बेल्ट रेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा देश का स्पोर्ट्स हब है। बेहतरीन खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा प्रदेश ने दिए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की प्रगतिशील खेल नीति की वजह से पूरे विश्व में हरियाणा का नाम है। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के दो मंगल सेन इंडोर जिम्नेजियम हॉल में आयोजित शहीद ए आजम भगत सिंह मेमोरियल इंडिया, रसिया, उज़्बेकिस्तान बेल्ट रेसलिंग प्रतियोगिता में रविवार को ये कहा। बेदी ने खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से शुभकामनाएं भी दी।

प्रदेश की 5 विवि में स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर बनेंगे

मंत्री बेदी ने कहा कि भविष्य में हरियाणा में बेल्ट रेसलिंग को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति दूसरे राज्यों के लिए रोल मॉडल बन चुकी है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हाल ही में खेल बजट में 41 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ी बीमा योजना सहित कई तरह की नई योजनाओं का ऐलान बजट में किया है। साथ ही, खिलाडिय़ों की छात्रवृत्ति व डाइट मनी भी बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप प्रदेश की 5 यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर भी बनेंगे।

नए खेल उत्कृष्टता केंद्र खोले जाएंगे

मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि रोहतक की महर्षि दयानंद, हिसार की चौधरी चरण सिंह व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कुरुक्षेत्र तथा रेवाड़ी की इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी में नये खेल उत्कृष्टता केंद्र खोले जाएंगे। वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए 'मिशन ओलंपिक्स-2036 विजयीभव' योजना के तहत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 20 करोड़ का प्रावधान किया है। साथ ही, ओलंपिक खेलों में 36 पदक हासिल करने का लक्ष्य भी रखा है। शहीदी दिवस के अवसर पर शहीदों को नमन करते हुए मंत्री कृष्ण लाल बेदी ने कहा भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका बलिदान आज भी हमें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और देशभक्ति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। आज लोकतंत्र की जो मजबूत नींव देश में बनी है, वह इन्हीं शहीदों के बलिदान पर टिकी हुई है।

कुलपति प्रो. राजबीर ने स्वागत भाषण दिया

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने मंत्री कृष्ण कुमार बेदी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। कुलपति ने मंत्री बेदी को स्मृति चिन्ह के रूप में ओम भेंट किया। उन्होंने उज़्बेकिस्तान तथा रसिया एंबेसी के उच्च अधिकारियों को भी सम्मानित किया।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर पंजाब भाजपा के राजेश बग्गा, भाजपा जिला महामंत्री सुखबीर चंदोलिया, जिला कोषाध्यक्ष अमित बंसल, मंडल अध्यक्ष भूप सिंह गरनावठी, वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता वजीर खोखर, रोशन मायना, संदिप जांगड़ा, अरुण रोहिल्ला, रिंकू कपूर व सचिन वर्मा भी साथ में उपस्थित रहे।

इंडस जूनियर विंग में धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव व पारितोषक वितरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस जूनियर विंग में वार्षिकोत्सव व पारितोषक वितरण समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ इंडस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर सभी अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया। प्रतिभागियों ने गीत, नृत्य एवं नाटक मंचन के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में छात्रों को विभिन्न वर्गों में पुरस्कार भी वितरित किए गए। इंडस ग्रुप के शैक्षणिक प्रमुख प्रवीण परूथी व डॉयरेक्टर सुभाष श्योराण ने भी अभिभावकों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए। डॉयरेक्टर प्रिंसीपल डॉ. सुषमा झा ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

अवैध पिस्तौल सहित मोखरा गांव का युवक गिरफ्तार

महम। बहु अकबरपुर थाना पुलिस ने अवैध पिस्तौल व जिंदा कारतूस के साथ मोखरा गांव के युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक नौजवान लड़का मोखरा फ्लाईओवर के नीचे अवैध असलाह लिए हुए खड़ा है। जिसका नाम सोहित उर्फ रैंचो है। जो नीले रंग की जींस व सफेद छापेदार रंग की टी शर्ट पहने हुए है। पुलिस मौके पर पहुंचकर उसकी ओर जाने लगी तो वह पुलिस को देखते ही तेज तेज कदमों से जाने लगा। पुलिस ने उसे पकड़कर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह मोखरा गांव के पाना छाजाण गांव का सोहित उर्फ रैंचो पुत्र बलवान है।

एमडीयू आज रंग सृजन से महकेगा, कल सुर ताल ध्वनि से सरोबार होगी यूनिवर्सिटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रंग महोत्सव कार्यक्रम के तहत 24-25 मार्च को रंग सृजन तथा रंग सुर इवेंट्स का आयोजन किया जाएगा। रंग महोत्सव के संयोजक डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा ने बताया कि संगीतमय रंग का विशेष कार्यक्रम रंग सुर टैगोर सभागार में 24-25 मार्च को आयोजित किया जाएगा। संगीत विभाग की प्रो. विमल रंग सुर की संयोजिका है। 24 मार्च को प्रतिभाशाली सैक्सोफोनिस्ट संगीतज्ञ आलिया गुप्ता सैक्सोफोन वादन प्रस्तुति देंगी। 25 मार्च को प्रतिभाशाली गायिका जुगनी गायन प्रस्तुति देंगी। 24 मार्च को टैगोर सभागार में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमडीयू एलुमनस, प्रतिष्ठित कारपोरेट विशेषज्ञ विश्व रमण निर्मल होंगे। 25 को कार्यक्रम में भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर मुख्य अतिथि होंगी।

कला कार्यशाला का आयोजन होगा

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। रंग सृजन कार्यक्रम का संयोजन दृश्य कला विभाग के अध्यक्ष संजय कुमार करेंगे। रंग सृजन के अंतर्गत कला कार्यशाला का आयोजन होगा। फेस पेंटिंग, रील मेकिंग, पोस्टर मेकिंग तथा कोलाज मेकिंग आर्ट्स गतिविधियों का आयोजन होगा। रंग सृजन इवेंट का उद्घाटन एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह करेंगे।

कक्षा प्रबंधन से होती है ज्वायफुल लर्निंग

रोहतक। शिक्षा भारती विद्यालय रामनगर में दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (कपैसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल चार सत्र लगे, जिनमें रिसोर्स पर्सन सोनू लोहचब और मीनू गोयत ने बच्चों के समग्र विकास के लिए आचार्य को ज्वायफुल लर्निंग की सफलता के लिए कक्षा प्रबंधन को सबसे महत्वपूर्ण कारक बताया। कक्षा प्रबंधन के लिए विषय की पाठ योजना, अधिगम सामग्री, अलग-अलग प्रकार के बौद्धिक स्तर वाले बच्चों के लिए अलग-अलग योजना आदि विषयों को रचनात्मक और सृजनात्मक तरीके से करवाया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनुराग जैन, प्रबंधक हरीश वधवा, कोषाध्यक्ष महेंद्र गुलाटी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बच्चों के समग्र विकास में इसे मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर प्राचार्य ममता भोला, विद्यालय प्रचार प्रमुख सरिता शर्मा आदि मौजूद रहे।

एमडीयू के डॉ. विकास प्रधान, जाट कॉलेज के डॉ. दयानंद महासचिव चुने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- संगठन की नई कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव संपन्न

हरियाणा फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन की बैठक रविवार को उप प्रधान डॉ नरेंद्र चाहर और प्रधान डॉ. विकास सिवाच की अध्यक्षता में संपन्न है। जिसमें उच्च शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन मंथन हुआ और इस मीटिंग में सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। बैठक में ड्राफ्ट यूजीसी रेगुलेशन 2025 का विश्लेषण किया गया और उसकी कमियों को दूर करने के लिए 28 मार्च तक सुझाव मांगे। संगठन द्वारा यूजीसी को भेजे गए तथा यूजीसी एवं भारत सरकार से अनुरोध किया गया कि इन सुझावों को यूजीसी ड्राफ्ट 2025 में सम्मिलित किया जाए। मीटिंग में यह भी निर्णय लिया गया कि हरियाणा की सभी यूनिवर्सिटी के वीसी कैलेंडर और रेगुलेशन की पालना की जाए। शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों तथा अन्य बाह्य कार्यों से मुक्त रखने, हरियाणा एडेड कॉलेजेज के लंबे समय से चली आ रही विभिन्न मांगों पूरी करने, 24,25, 26 मार्च को काले बिल्ले लगाकर कार्य करने, 29अप्रैल को पार्लियामेंट मार्च में हिस्सा लेने का आह्वान बैठक में किया गया। इसके अलावा संगठन की नई कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें डॉ. विकास सिवाच को प्रधान, दयानंद मलिक जाट कॉलेज रोहतक को जनरल सेक्रेटरी चुना गया।

एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में धूमधाम से मनाया ग्रेजुएशन डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सनसिटी सैक्टर 35 स्थित एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में ग्रेजुएशन डे मनाया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि कृष्णा फौगाट रही। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फौगाट और मुख्य अतिथि का बच्चों ने तिलक लगाकर स्वागत किया। प्रधानाचार्या जगवंती काद्यान ने अभिभावकों का स्वागत किया। छात्रों को गाउन और कैप पहनाकर प्रमाण पत्र दिए गए। कृष्णा फौगाट ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फौगाट ने छात्रों के विकास में अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की सराहना की। मंच संचालन कोर्डिनेटर प्रगती ने किया।

रजवाहे की पुलिया के पास लगा बोर्ड कर रहा गुमराह , भटक रहे आने वाले लोग

इधर न एसडीएम आवास और न ही एसडीएम का दफ्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

पुरानी तहसील के पास रजवाहे की पुलिया के पास एक साइन बोर्ड लगा हुआ है, जो लोगों को गुमराह कर रहा है। जिन लोगों को एसडीएम आवास की ओर या सरकारी क्वार्टरों में जाना होता है, वे इस बोर्ड को देखकर दूसरी कॉलोनी में चले जाते हैं। इससे लोगों का समय खराब हो रहा है। स्थानीय नागरिकों को भी इससे दिक्कत है। क्योंकि बेवजह यहां पर सरकारी कॉलोनी में बसने वाले कर्मचारियों के रिश्तेदार यहां पर घूमते रहते हैं। जिस तरह एसडीएम कॉलोनी का तीर का निशान लगाया गया है। उस तरफ न तो एसडीएम का दफ्तर है और न ही एसडीएम का आवास है। इधर कोई सरकारी कार्यालय भी नहीं है और न ही कोई सरकारी आवास है। बावजूद इसके किसी ने यहां पर एसडीएम कॉलोनी का बोर्ड गाड़ दिया है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस बोर्ड को यहां से उखड़वाने की मांग की है। साथ ही कहा है कि जल्द ही वे एसडीएम दलबीर सिंह फोगाट से इस बारे में मुलाकात करेंगे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कुछ लोग यहां पर एसडीएम कॉलोनी का बोर्ड लगाकर महंगे दामों पर प्लॉट बेचने की फिराक में हैं।

महम। रजवाहे के साथ वाली कॉलोनी में लगाया गया एसडीएम कॉलोनी का बोर्ड।

सांगवान स्कूल में स्कॉलरशिप व टैलेंट हंट का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में स्कॉलरशिप और टैलेंट हंट का आयोजन किया गया। इस स्कॉलरशिप परीक्षा में विभिन्न स्कूलों से 200 छात्रों ने भाग लिया। जबकि स्कॉलरशिप की परीक्षा का आयोजन सपना परमार, राममेहर एवं अनुराग दांगी के दिशा निर्देशन में किया गया। स्कूल प्रबंधक राजेश सांगवान ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने छात्रों को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल कोऑर्डिनेटर परमिला सांगवान, ऋतु विज, जितेंद्र भारद्वाज, मोनिका ढल, मोनिका लठवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

आर्य स्कूल मदीना में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, प्रतिभावान विद्यार्थियों को नवाजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

रविवार को आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र और छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने उत्कृष्ट परिणाम के लिए बच्चो को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अभिभावकों के साथ आये बच्चों ने परीक्षा परिणाम प्राप्त करने में उत्साह दिखाया। अपने परीक्षा परिणाम से बच्चे संतुष्ट व प्रफुल्लित दिखाई दिए। अभिभावकों ने भी अच्छी शिक्षा व नैतिक मूल्यों पर ध्यान देने के लिए विद्यालय प्रबंधन का हृदय से धन्यवाद किया। अभिभावकों ने कहा कि यह विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे ही नए-नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ कक्षाओ के बच्चो के लिए विशेष अतिथि के रूप में सम्मानित मेजर भरत सिंह ने एनडीए (भारतीय सुरक्षा संस्थान) में शामिल होने के लिए बच्चो को प्रोत्साहित किया व सुरक्षा बल में अपना कौशल दिखाने के लिए आवश्यक बातें साँझा की। उन्होंने बताया कि देश के लिए कार्य करने पर जो आनंद प्राप्त होता है वह अतुलनीय है व अवर्णनीय होता है।

महम। मदीना के आर्य स्कूल में टीचर से अपने बच्चों के वार्षिक परीक्षा परिणाम की रिपोर्ट लेते अभिभावक।

कार्यक्रम बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में रोवर्स एवं रेंजर्स यूनिट का ओरिएंटेशन कार्यक्रम सम्पन्न

स्काउटिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन शैली भी है

- लॉर्ड बेडेन पॉवेल के प्रतिपादित मूल सिद्धांतों पर चर्चा की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में रोवर्स एंड रेंजर्स यूनिट एवं हरियाणा भारत स्काउट एवं गाइड के संयुक्त तत्वाधान ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के रोवर्स एवं रेंजर्स को स्काउटिंग के मूलभूत नियमों एवं गतिविधियों से अवगत कराना तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में भारत स्काउट एवं गाइड्स के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पॉवेल द्वारा प्रतिपादित मूल सिद्धांतों पर चर्चा की गई। साथ ही स्काउटिंग में शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए किए जाने वाले अभ्यासों को भी छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आरके गुप्ता (स्टेट कमिश्नर फॉर यूनिवर्सिटीज, भारत स्काउट एवं गाइड) ने रोवर्स एवं रेंजर्स से संवाद करते हुए कहा कि स्काउटिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि एक जीवन शैली है। यह युवाओं में अनुशासन, सेवा-भाव, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का विकास करती है। जो छात्र स्काउटिंग से जुड़ते हैं, वे समाज और राष्ट्र के लिए एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने और स्काउटिंग के माध्यम से समाज सेवा के लिए प्रेरित किया।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित स्काउट के साथ विश्वविद्यालय स्टाफ व मुख्य अतिथि।

स्काउटिंग के माध्यम से छात्रों में आत्म-अनुशासन टीमवर्क और समाज सेवा की भावना विकसित होती

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचएल वर्मा ने कहा कि स्काउटिंग के माध्यम से छात्रों में आत्म-अनुशासन, टीमवर्क और समाज सेवा की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि हर छात्र बहुआयामी विकास की ओर बढ़े और अपने व्यक्तित्व को समाज के लिए उपयोगी बनाए। उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत और लगन से कार्य करने की प्रेरणा दी तथा रोवर्स एवं रेंजर्स यूनिट को और अधिक सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। हरियाणा भारत स्काउट एवं गाइड्स के डीओसी बलराज आर्य, धर्म सिंह अहलावत, रामचन्द्र, सुमन काद्यान (सीओसी), शिवम और कार्तिक ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने छात्रों को स्काउटिंग के विभिन्न आयामों से परिचित कराया और उन्हें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में कई रोचक गतिविधियां भी करवाई गई, जिनमें टीम वर्क, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा, अनुशासन एवं आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण शामिल रहा। इस अवसर पर रोवर्स यूनिट के इंचार्ज डॉ. बबलू शर्मा, रेंजर्स यूनिट की इंचार्ज डॉ. ईशु खनगवाल, डॉ. विनोद कुमार (रजिस्ट्रार), डॉ. नवीन कपिल (डीन एकेडमिक), डॉ. सुधीर मलिक (छात्र कल्याण अधिष्ठाता), डॉ. बीएम यादव (डीन, मानविकी संकाय), डॉ. पल्लवी भारद्वाज (विज्ञान विभाग), डॉ. रुचि (बीपीटी विभाग), डॉ. अष्टलक्ष्मी (बीएएमएस विभाग) सहित अन्य उपस्थित रहे।